वार्षिक पाठ्यक्रम योजना
सत्र - 2020-21
विषय - हिंदी (साहित्य)
कक्षा – छठी
अप्रैल से सितंबर

दूरदर्शिता-छात्राएँ लेखन एवं वाचन कला में निपुण होगी। इनकी हिंदी के प्रति रूचि जागृत होगी। छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा। महान कवियों व महापुरुषो के द्वारा दी गई सीख को अपने भावी जीवन में धारण करेंगीं।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
1. वह चिड़िया जो	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को कविता पढ़ाई गई।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। कविता का आरोह-अवरोह एवं लय गायन करते हुए कठिन शब्दों का अर्थ बताना। कविता के प्रत्येक पदयांश के भाव का स्पष्टीकरण करना। छात्राओं को भी कविता गायन के लिए प्रेरित करना। कविता से संबंधित प्रश्न पूछना। सभी छात्राओं से चिड़िया का चित्र बनवाकर उससे संबंधित एक क्रिया करना। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराना।	-छात्राओं का प्रकृति के प्रति रुझान। -छात्राओं का पक्षियों के प्रति आत्मीयता का भाव। -मीठी वाणी का सकारात्मक प्रभाव। -छात्राओं के सस्वर वाचन में बढ़ोतरी।
2. बचपन	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विरामादि चिह्नों को ध्यान में रखते हुए वाचन करना। प्रत्येक पदयांश से संबंधित छात्राओं से प्रश्न पूछना। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराना। छात्राओं से विभिन्न प्रकार के कपड़ों के नमूने इकठ्ठे करवाना और उन नमूनों को छूकर उनमें अंतर को महसूस करवाना।	-छात्राएँ कृष्णा सोबती से अवगत होगी। -अपना काम स्वयं करने के प्रति लगन। -आत्मविश्वास में वृद्धि।
3. नादान दोस्त	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ छात्राओं से पाठ का वाचन करवाना। विषयवस्तु में प्रयुक्त भाषिक तत्व-कठिन शब्द, मुहावरे, सूक्तियाँ, समासयुक्त पदावली आदि का स्पष्टीकरण करना। पाठ से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराना। छात्राओं से विभिन्न पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के बारे में जानकारी एकत्र करवाई जाएगी।	-पक्षियों के प्रति प्रेम- भावना जागृत होगी। -प्रत्येक कार्य करने से पहले बड़ों से पूछना। -रचनात्मक कार्य हेतु छात्राओं की मानसिक शक्ति का विकास। -छात्राओं में हिंदी भाषा के प्रति रूचि ।

…2…

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
4. अक्षरों का महत्व	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। शुद्ध एवं ऊँचे उच्चारण के साथ पाठ का सस्वर वाचन छात्राओं के द्वारा करवाना। प्रत्येक गद्यांश का अर्थ स्पष्ट करना। विषयवस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करवाना तथा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। छात्राओं से लिखित और मौखिक भाषा के हानि-लाभ के बारे में चर्चा करवाना।	-अक्षरों के इतिहास के ज्ञान में वृद्धि। -शुद्ध, स्पष्ट एवं उचित आरोह, अवरोहानुसार उच्चारण करने की योग्यता का विकास। -सस्वर वाचन में बढ़ोतरी।
5. टिकट अलबम	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। शुद्ध उच्चारण के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का छात्राओं से वाचन करवाना। विषयवस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करना। दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरण देना। प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता एवं समस्या-समाधान सुनिश्चित करना।	-गलत कार्य करने का बुरा ही परिणाम। -सबके प्रति प्रेम व आदर की भावना जागृत करना। -हिंदी भाषा का शुद्ध उच्चारण एवं लेखन की क्षमता का विकास। -साहित्यिक शब्द-भंडार में वृद्धि करना।
हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
-भाषा व्याकरण तथा लिपि -वर्ण विचार -शब्द रचना : उपसर्ग-प्रत्यय -वर्तनी की	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। दैनिक	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -भाषा की शुद्धता के प्रति आदर एवं निष्ठा की भावना का विकास होना।

अशुद्धियाँ -संधि -शब्द-भंडार -संज्ञा -संज्ञा के विकारी तत्व -सर्वनाम -मुहावरे व लोकोक्तियां	वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। प्रत्येक विषय के लिए एक-एक गतिविधि करवाई। जैसे संज्ञा के लिए व्यक्तियों , वस्तुओं, स्थानों के नाम की एक सूची बनवाई। उपसर्ग को समझाने के लिए दस शब्दों की सूची बनवाई जिनमें उपसर्ग लग जाने से वे मूल शब्द के विलोम शब्द बन जाते हैं। इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया गया।	-व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।
हिंदी व्याकरण (लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
-पत्र -अनुच्छेद -कहानी	ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाया गया।शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पी०पी०टी० भेजी गई।शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा किया गया। छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। कहानी के लिए छात्राओं से अपने जीवन की किसी भी घटना को कहानी के रूप में बनाकर लिखने के लिए कहा गया। अनुच्छेद में छात्राओं से अपनी मनपसंद चीज के बारे में अनुच्छेद लिखवाया गया।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।

…4…

…4…

अक्टूबर से मार्च

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
6. साथी हाथ बढ़ाना	कविता का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन करवाया जाएगा। प्रत्येक पदयांश से प्रश्न पूछे जाएँगे। भाव के स्पष्टीकरण के साथ श्यामपट्ट पर	-एकता एवं संगठन में काम करने की क्षमता का विकास। -छात्राओं में स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -काव्य के प्रति प्रेम जागृत होना।

	काठिन्य निवारण करवाया जाएगा। भावों को जगाने एवं रूचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे जाएँगे। छात्राओं से एक चार्ट बनवाया जाएगा जिसमें कुछ व्यक्ति मिलकर काम करते दर्शाए जाएँगे।	
7. जो देखकर भी नहीं देखते	अध्यापिका शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम-चिह्नों को ध्यान में रखकर छात्राओं से पाठ का अध्ययन करवाएँगीं। विषयवस्तु का विश्लेषण प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता एवं समस्या-समाधान सुनिश्चित करवाया जाएगा। साथ ही गतिविधि के लिए छात्राओं से किसी अपंग व्यक्ति की पढ़ाई-लिखाई में उसकी मदद करने को कहा जाएगा।	-प्रकृति के अनुपम छटा के प्रति आकर्षित। -छात्राओं में पक्षियों के प्रति आत्मीयता का भाव। -हेलेन केलर के संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा। -रचनात्मक कार्य में प्रवृत होने के लिए मानसिक शक्ति का विकास होना।
8. नौकर	छात्राओं से पाठ का शुद्ध उच्चारण करवाया जाएगा। । विषयवस्तु में प्रयुक्त भाषिक तत्व-कठिन शब्द, मुहावरे आदि का स्पष्टीकरण अध्यापिका दवारा किया जाएगा। साथ ही लेखक की भाषाशैली, अंतनिर्हित भाव एवं विचारो का स्पष्टीकरण करवाया जाएगा। तथा प्रश्न पूछे जाएँगे। कमजोर छात्राओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। छात्राओं से कहा जाएगा कि अपने घर के कामों में माँ का हाथ बँटाए।	-छात्राओं में परिश्रम की भावना का विकास। -नौकरों को हीन न समझकर उसे अपने ही परिवार का सदस्य मानने की भावना का उदय होना। -राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों से प्रभावित।

….5….

…5….

पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
9. वन के मार्ग में	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उनसे श्रीराम और सीता की पौरणिक कथा के बारे में पुछेगी। छात्राओं से उत्तर पाकर स्वयं संतोषजनक उत्तर देंगी। फिर सवैये का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ स्वयं गायन करेंगी। विभिन्न युक्तियों द्वारा श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण और व्यावहारिक उदाहरण से विषयवस्तु का स्पष्टीकरण करवाया जाएगा। छात्राओं से श्रीराम-सीता का चित्र बनवाना और उसमे रंग भरवाना।	-काव्य के प्रति प्रेम जागृत करना। -छात्राओं से शुद्ध, स्पष्ट एवं उचित आरोह-अवरोहानुसार कविता पाठ करने की योग्यता का विकास होना। -रस, छंद, अलंकार आदि तत्वों के ज्ञान में वृद्धि। -छात्राओं में अपनी भारतीय संस्कृति के प्रति रुझान।
10. साँस-साँस में बाँस	छात्राओं से पाठ का शुद्ध उच्चारण करवाया जाएगा। । महत्वपूर्ण पंक्तियों को रेखांकित करवाया जाएगा।। विषयवस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण	-गद्य के भावों का रसास्वादन और उनका अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास। -छात्राओं में दस्तकारों के प्रति

	करवाया जाएगा। छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। छात्राओं से बाँस की खपच्चियों से एक सजावटी वस्तु बनवाना।	आदर की भावना का विकास। -रचनात्मक कार्य हेतु छात्राओं की मानसिक शक्ति का विकास।
हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
-शब्द-विचार -विशेषण -क्रिया -काल -अविकारी शब्द -वाक्य विचार -विराम-चिह्न	सभी विषयों का स्पष्टीकरण दिया जाएगा । दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। प्रत्येक विषय के लिए एक-एक गतिविधि करवाई जाएगी। जैसे वाक्य के लिए अपने सामान्य बोलचाल के सरल वाक्यों को संयुक्त तथा मिश्र वाक्यों में बदलने का अभ्यास कीजिए। इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया जाएगा। ।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -भाषा की शुद्धता के प्रति आदर एवं निष्ठा की भावना का विकास होना। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।

….6…

….6…

हिंदी व्याकरण (लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
-पत्र -निबंध -ई-मेल	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाया जाएगा। शब्द सीमा का भी ध्यान रखा जाएगा विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा । भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाया जाएगा। पत्र लेखन के लिए छात्राओं को अपने किसी संबंधी को वास्तव में पत्र लिखकर भेजने को कहा जाएगा।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।